प्रकृति से जुड़ें, स्वस्थ रहें, आगे बढ़ें

आयुष्य पथ

AYUSHYA PATH

■वर्ष-1 ■अंक-१4 ■प्रकाशन: गुरूवार, दिनांक: 19 फरवरी 2026 ■आवृत्ति: साप्ताहिक ■ISSN: आवेदनधीन

आयुष सचिव का मुंबई दौरा: RRIUM यूनानी केन्द्र का आधुनिकीकरण

मुंबई/नई दिल्ली | 17 फरवरी 2026 | आयुष्य पथ डेस्क

भारत की पारंपरिक चिकित्सा पद्धतियों को आधुनिक स्वास्थ्य सेवा (Modern Healthcare) के साथ जोड़ने की दिशा में आयुष मंत्रालय ने एक ऐतिहासिक मिसाल पेश की है। १७ फरवरी २०२६ को आयुष मंत्रालय के सचिव वैद्य राजेश कोटेचा ने मुंबई के प्रतिष्ठित सर जे. जे. अस्पताल परिसर में स्थित क्षेत्रीय यूनानी चिकित्सा अनुसंधान संस्थान

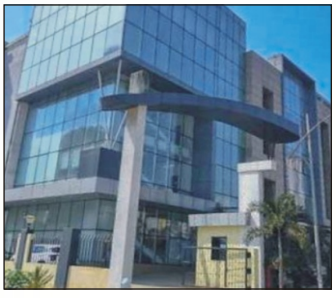

के नवनिर्मित 'सह-स्थापना केंद्र' का दौरा किया।

यह दौरा इसलिए भी अत्यंत महत्वपूर्ण है क्योंकि यह केंद्र 'विरासत संरक्षण' और 'आधुनिकीकरण'के बीच संतुलन का एक जीवंत और उत्कृष्ट उदाहरण बन गया है।

ऐतिहासिक धरोहर का संरक्षण और कायाकल्प का यह भवन कोई साधारण इमारत नहीं है; इसका निर्माण वर्ष १८४५ में हुआ था। मूल रूप से यह भवन यूनानी चिकित्सा की पारंपरिक विरासत को संजोए हुए था, लेकिन समय के साथ यह जीर्ण-शीर्ण हो चुका था। आयुष मंत्रालय ने इस १८१ साल पुरानी ऐतिहासिक संरचना की मूल वास्तुकला, दीवारों और छत को बिना कोई नुकसान पहुंचाए, इसे एक अत्याधुनिक रिसर्च सेंटर में तब्दील कर दिया है।

पढ़े पूरी रिपोर्ट

दुबई में तीसरे अंतर्राष्ट्रीय आयुष कॉन्फ्रेंस 2026 का शुभारंभ

नई दिल्ली | आयुष्य पथ ब्यूरो

भारत की प्राचीन चिकित्सा पद्धतियों को वैश्विक पटल पर एक नई और मजबूत पहचान मिल रही है। १५ फरवरी २०२६ को दुबई वर्ल्ड ट्रेड सेंटर के प्रतिष्ठित शेख मकतूम हाल (Sheikh Makhtoum Hall) में 'तीसरे इंटरनेशनल आयुष कॉन्फ्रेंस एंड एग्जिबिशन २०२६' का शानदार और भव्य उद्घाटन समारोह संपन्न हुआ।

इस महासम्मेलन में कई देशों के शीर्ष प्रतिनिधि, वैज्ञानिक, आयुर्वेद विशेषज्ञ, नीति निर्माता और उद्योग जगत के दिग्गज एक मंच पर एकत्र हुए हैं। इसका मुख्य उद्देश्य भारत और मध्य पूर्व (Middle East) के बीच आयुष क्षेत्र में व्यापार, शोध और स्वास्थ्य सहयोग की नई संभावनाओं को तलाशना है।

जारी.....

Click & Read More

मुँह का कैंसर: आयुष मंत्रालय की नई गाइडलाइंस और लक्षण

नई दिल्ली | आयुष्य पथ | हेल्थ डेस्क

भारत में कैंसर के मामलों में मौखिक कैंसर सबसे आम है, लेकिन राहत की बात यह है कि यह सबसे ज्यादा रोकथाम योग्य भी है। केंद्रीय आयुष मंत्रालय ने सोशल मीडिया पर एक महत्वपूर्ण जागरूकता अभियान शुरू किया है। मंत्रालय ने स्पष्ट किया है कि यदि हम अपनी जीवनशैली में थोड़ा बदलाव करें और शुरुआती लक्षणों को नजरअंदाज न करें, तो इस गंभीर बीमारी से बचा जा सकता है।

Click & Read More

रुस में 'प्रोफेसर आयुष्मान': आयुर्वेद की कॉमिक अब रुसी में

कोपेहेगन/नई दिल्ली | आयुष्य पथ इंटरनेशनल डेस्क

भारत की प्राचीन चिकित्सा पद्धति 'आयुर्वेद' अब दुनिया की प्रमुख भाषाओं में अपनी जगह बना रही है। भारत-रूस संबंधों में स्वास्थ्य और कल्याण की एक नई कड़ी जोड़ते हुए, केंद्रीय आयुष मंत्रालय ने एक ऐतिहासिक कदम उठाया है। मंत्रालय की बेहद लोकप्रिय कॉमिक सीरीज 'प्राफेसर आयुष्मान' को अब रूसी भाषा में लॉन्च कर दिया गया है।

व्लादिवोस्तोक में हुआ भव्य विमोचन

इस रूसी संस्करण का आधिकारिक लॉच भारत के ७७वें गणतंत्र दिवस के रिसेप्शन के दौरान व्लादिवोस्तोक स्थित भारतीय महावाणिज्य दूतावास में किया गया।

इस भव्य कार्यक्रम में भारत के महावाणिज्य दूत श्री सिद्धार्थ गौरव ने प्रिमोर्ये क्षेत्र के गवर्नर, व्लादिवोस्तोक के मेयर और अन्य रूसी गणमान्य अतिथियों के साथ मिलकर इस पहल का उद्घाटन किया।

Click & Read More

हरियाणा में आयुष अस्पतालों में रिक्त पदों पर जल्द होगी भर्ती स्वास्थ्य मंत्री आरती सिंह राव की बड़ी घोषणा

चंडीगढ़, 17 फरवरी 2026 | आयुष्य पथ डेस्क

हरियाणा में पारंपरिक चिकित्सा पद्धतियों (आयुर्वेद, यूनानी, होम्योपैथी, सिद्ध, नेचुरोपैथी और योग) को बढ़ावा देने और स्वास्थ्य सेवाओं को सुदृढ़ करने के लिए राज्य सरकार ने एक बड़ा कदम उठाया है। हरियाणा की स्वास्थ्य एवं चिकित्सा शिक्षा मंत्री आरती सिंह राव ने प्रदेश के आयुष अस्पतालों में लंबे समय से खाली पड़े पदों पर शीघ्र भर्ती करने की आधिकारिक घोषणा की है।

स्वास्थ्य मंत्री ने संबंधित अधिकारियों को स्पष्ट निर्देश जारी किए हैं कि रिक्त पदों को जल्द से जल्द भरा जाए, ताकि अस्पतालों में स्टाफ की कमी दूर हो सके और आम जनता को आयुष सेवाओं का बेहतर और निर्बाध लाभ मिल सके।

आयुष को मुख्यधारा में लाने की प्रतिबद्धता.....

Click & Read More

'प्रसन्नात्मा इन्द्रिय मनः' सुश्रुत संहिता में स्वास्थ्य

नई दिल्ली, १७ फरवरी २०२६ | आयुष्य पथ डेस्क

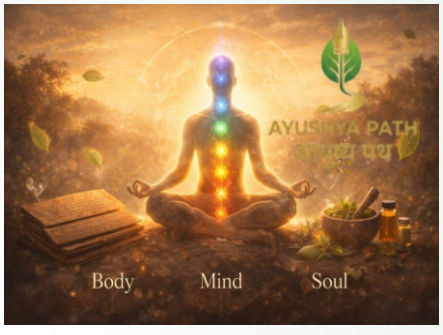

आधुनिक युग में जब हम 'स्वास्थ्य' की बात करते हैं, तो हमारा ध्यान तुरंत मेडिकल रिपोर्ट्स की तरफ जाता है। ब्लड प्रेशर, शुगर लेवल, कोलेस्ट्रॉल और BMI को ही स्वास्थ्य का अंतिम पैमाना मान लिया गया है। लेकिन, क्या शरीर में बीमारी का न होना ही असली स्वास्थ्य है? यदि शरीर की सारी रिपोर्ट्स सामान्य हैं, लेकिन मन में तनाव है, रात को नींद नहीं आती और भीतर एक खालीपन है, तो क्या आप वास्तव में स्वस्थ हैं?

हजारों वर्ष पूर्व, शल्य चिकित्सा के जनक महर्षि सुश्रुत ने स्वास्थ्य की एक ऐसी गहन, समग्र और शाश्वत परिभाषा दी है, जहाँ तक आधुनिक विज्ञान आज पहुँचने का प्रयास कर रहा है।

'सम दोष सम अग्निश्च सम धातु मल क्रियाः। प्रसन्नात्मा इन्द्रिय मनः स्वस्थ इतिभिधीयते' -(सुश्रुत संहिता, सूत्रस्थान १५/४१)

Click & Read More

योगः कर्मसु कौशलम्: गीता

आधुनिक जीवनशैली में अनुप्रयोग और वैज्ञानिक आधार

सम्पादकीय विशेष आयुष्य पथ

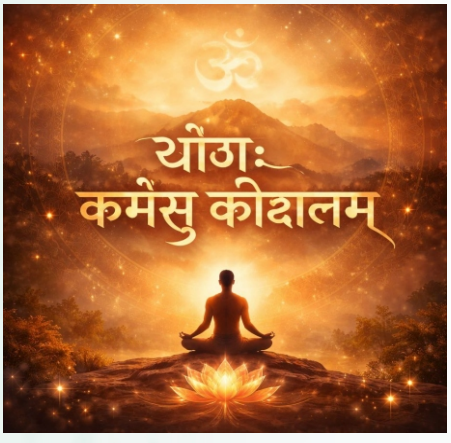

आधुनिक जीवन एक अंतहीन दौड़ बन चुका है। सफलता की चाहत, किलता का डर और दूसरों से आगे निकलने की होड़ ने आज के युवा को शारीरिक और मानसिक रूप से खोखला कर दिया है। हम काम तो बहुत कर रहे हैं, लेकिन उस काम में न तो शांति है और न ही पूर्णता। ऐसे में हजारों वर्ष पूर्व कुरुक्षेत्र के युद्ध के मैदान में दिया गया एक सूत्र आज की कॉर्पोरेट, अकादमिक और व्यक्तिगत लड़ाइयों का सबसे सटीक समाधान प्रस्तुत करता है- **'योगः कर्मसु कौशलम्।'**

आइए, इस महावाक्य को इसके शास्त्रीय मूल से लेकर आधुनिक न्यूरोसाइंस की कसौटी तक विस्तार से समझें।

1. शास्त्रोक्त मूल - गीता से सीधा संवाद

यह सूत्र श्रीमद्भगवद्गीता के द्वितीय अध्याय (सांख्य योग) के **50**वें श्लोक से उद्धृत है। जब अर्जुन कर्म और उसके परिणामों को लेकर गहरे अवसाद और भ्रम में थे, तब भगवान श्रीकृष्ण ने उन्हें यह मनोवैज्ञानिक सूत्र दिया:

बुद्धियुक्तो जहातीह उभे सुकृतदुष्कृते।
तस्माद्योगाय युज्यस्व योगः कर्मसु कौशलम्

-(श्रीमद्भगवद्गीता २.५०)

वैज्ञानिक आधार और आधुनिक जीवनशैली में अनुप्रयोग पढ़िए.....

Click & Read More

©2025 आयुष्य मन्दिरम्, रेवाड़ी, हरियाणा | सर्वाधिकार सुरक्षित | स्वामी, प्रकाशक एवं मुद्रक: आयुष्य मन्दिरम् |
सम्पादक: आचार्य डॉ. जयप्रकाश [इमेल: editor@amsite.in]
सम्पादकीय मंडल: •सह सम्पादक: योगाचार्य सुषमा कुमारी [इमेल: sushmacharya@amsite.in] •पब्लिकेशन प्रबंधक: रामधन भारद्वाज [इमेल: pbm.ramdhan@amsite.in] •ग्राफिक डिजाइनर और डीटीपी ऑपरेटर: हिमांशु [इमेल: himanshu.dtp@amsite.in] •वेब डेवलपर/ऑनलाइन समन्वयक: दुर्गेश तिवारी [इमेल: durgesh.cordinator@amsite.in] ISSN स्थिति: आवेदन किया गया (Request ID: 73 055) प्रकाशन आवृत्ति: डिजिटल/साप्ताहिक
पता विवरण: पंजीकृत कार्यालय: 181, सुभाष गली, वार्ड नं. 6, कनीना मण्डी 123027, हरियाणा | सम्पादकीय/पत्राचार कार्यालय: आयुष्य मन्दिरम् , 212 एल आर, मॉडल टाउन, रेवाड़ी-123401, हरियाणा | प्रशासकीय कार्यालय: आयुष्य मन्दिरम् भवन, श्रीकृष्णा कॉलोनी, देवलावास रोड, नजदीक सेक्टर 18, रेवाड़ी, हरियाणा। शिकायत निवारण अधिकारी (Grievance Officer) (IT Rules, 2021 के तहत: आचार्य डॉ. जयप्रकाश [इमेल: editor@amsite.in] [फोन नं. 8368195109] संपर्क एवं ऑनलाइन विवरण: इमेल: amtrewadi@gmail.com | फोन: 9873490919 | वेबसाइट: https://ayushyapath.in |

अस्वीकरण: 'इस डिजिटल न्यूजपत्र में प्रकाशित सभी जानकारी केवल शैक्षिक और सूचनात्मक उद्देश्यों के लिए है। यह पेशेवर चिकित्सा सलाह का विकल्प नहीं है। किसी भी उपचार या स्थिति के लिए हमेशा योग्य स्वास्थ्य सेवा प्रदाता से परामर्श करें।' प्रकाशन से संबंधित किसी भी विवाद का न्यायिक क्षेत्र केवल रेवाड़ी, हरियाणा होगा।